(1) भोजपुरी में मास्टर ऑफ आर्ट्स (एम. ए.) (MASTER OF ARTS IN BHOJPURI.)

Structure and Brief Syllabi of the M.A in Bhojpuri

(एम.ए. भोजपुरी की पाठ्य संरचना एवं संक्षिप्त सिलेबस)

उद्देश्य : भोजपुरी भाषा में हमारी सभ्यता और संस्कृति के साथ-साथ सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक परिस्थितियों की स्पष्ट छाप मिलती है । लोकप्रियता की दृष्टि से भोजपुरी एक महत्वपूर्ण भाषा है । इसकी इसी लोकप्रियता एवं महत्ता को देखते हुए नालन्दा खुला विश्वविद्यालय ने एम.ए. पाठ्यक्रम में स्वतंत्र विषय के रूप में स्थान दिया है । **इस पाठ्यक्रम में नामांकन के लिये न्यूनतम योग्यता स्नातक है ।**

पाठ्यक्रम संरचना एवं परीक्षा नियमावली : भोजपुरी में एम.ए. पाठ्यक्रम में कुल 16 पत्र होंगे (प्रथम वर्ष में कुल 8 पत्र एवं द्वितीय वर्ष में कुल 8 पत्र)। प्रत्येक पत्र 100 अंकों का होगा और प्रत्येक पत्र की परीक्षा अवधि तीन घंटे की होगी । सभी सैद्धान्तिक पत्रों में 80 अंकों के लिये तीन घंटों की परीक्षा होगी एवं 20 अंकों का सत्रीय कार्य जमा करना होगा ।

परीक्षा नियमों के अनुसार प्रत्येक पत्र में उत्तीर्ण होना आवश्यक है । उसके बाद ही विद्यार्थी को उस वर्ष/पार्ट की परीक्षा में उत्तीर्ण समझा जायेगा और अगले वर्ष/पार्ट में प्रोमोट किया जा सकेगा । इस पाठ्यक्रमों में उत्तीर्णता के लिये सभी पत्रों में कम से कम 33% अंक प्राप्त करना आवश्यक है । उपर्युक्त रूप से निर्धारित प्रतिशत प्राप्तांकों की गणना प्रत्येक पत्र की लिखित परीक्षा तथा सत्रीय कार्य में प्राप्त कुल अंकों को जोड़कर की जायेगी । इसी प्रकार सभी पत्रों में अंकों की गणना की जायेगी, परन्तु यदि किसी पत्र के लिखित परीक्षा अथवा सत्रीय-कार्य में शून्य अंक प्राप्त होता है तब उस पत्र में अनुत्तीर्ण समझा जायेगा । एक भी पत्र में अनुर्त्तीण होने का अर्थ यह होगा कि वह विद्यार्थी उस पार्ट की परीक्षा में अनुत्तीर्ण समझा जायेगा और उसे फिर से परीक्षा देनी होगी तथा सत्रीय कार्य जमा करना हेगा । अत: विद्यार्थियों को पूरी सतर्कता से लिखित परीक्षा तथा सत्रीय-कार्य की तैयारी करनी चाहिये जिससे कि दोनों का अंक मिलाकर वे प्रत्येक पत्र में उत्तीर्णता प्राप्त कर सकें और इस प्रकार अगले पार्ट में प्रोमोशन के योग्य हो जायें । पत्रों का विवरण निम्नवत है :

पत्र संख्या	पत्र का नाम	अंकों का वितरण		उत्तीर्ण होने के लिये आवश्यक न्यूनतम अंक लिखित परीक्षा+सत्रीय कार्य)
		लिखित परीक्षा	सत्रीय कार्य	
	प्रथम वर्ष			
1.	भोजपुरी साहित्य के इतिहास	80	20	33
2	भोजपुरीतर अन्य क्षेत्रीय भाषा साहित्य के अध्ययन	80	20	33
3	भारतीय काव्य शास्त्र	80	20	33
4	भोजपुरी आलोचना साहित्य	80	20	33
5	प्रयोजन मूलक भोजपुरी(व्यावहारिक भोजपुरी)	80	20	33
6	भोजपुरी लोक साहित्य	80	20	33
7	भोजपुरी कहानी	80	20	33
8	भोजपुरी निबन्ध संग्रह	80	20	33
	कुल	**640**	**160**	**264**

	द्वितीय वर्ष			
9	भोजपुरी भाषा के इतिहास	80	20	33
10	भाषा–विज्ञान	80	20	33
11	भोजपुरी गद्य के अन्य प्रमुख विधायें	80	20	33
12	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	80	20	33
13	आधुनिक भोजपुरी काव्य	80	20	33
14	भोजपुरी उपन्यास	80	20	33
15	भोजपुरी नाटक	80	20	33
16	भोजपुरीतर साहित्य का सामूहिक परिचर्चा	80	20	33
	कुल	**640**	**160**	**264**